आई.यू.सी.डी. कार्ड

अस्पताल का नाम..... पहचान सं./क्र.सं.....

महिला का नाम..... पति का नाम.....

पता.....टेलीफोन नं.....

आयु.....

बच्चों की संख्या.....

सबसे छोटे शिशु की जन्मतिथि/गर्भपात की तिथि.....

अंतिम माहवारी की तिथि (LMP).....

आईयूसीडी लगाने की तिथि.....आईयूसीडी का प्रकार – कॉपर–आईयूसीडी 380A/375

आईयूसीडी लगाने का समयः इंटरवल/पोस्ट प्लासेंटल/इंट्रासीजेरियन/पोस्ट पार्टम (48 घंटे के भीतर)

प्रदाता – मेडिकल ऑफिसर/स्टाफ नर्स/एलएचवी/एएनएम

प्रदाता का नाम.....

हस्ताक्षर.....

पुनः जाँच दौरे	तिथि	पुनः जाँच का उद्देश्य		निष्कर्ष / दी गई सलाह
		नियमित	शिकायतें (अगर हो)	
पहली पुनः जाँच				
दूसरी पुनः जाँच				
तीसरी पुनः जाँच				
अतिरिक्त जाँच				

आईयूसीडी निकलवाने की तिथि..... **निकलवाने का कारण.....**

वैकल्पिक गर्भनिरोधक दिया गयाः ओ.सी.पी./कण्डोम/आईयूसीडी 380–ए/375/महिला नसबंदी/पुरूष नसबंदी

यहाँ से काटकर क्लाइंट को दें।

महिला पहचान सं./क्र.सं.....

अस्पताल का नाम.....

महिला का नाम.....

पति का नाम.....

आयु.....बच्चों की संख्या.....

आईयूसीडी लगाने की तिथि.....आईयूसीडी का प्रकार – कॉपर–आईयूसीडी 380A/375

आईयूसीडी लगाने का समयः इंटरवल/पोस्ट प्लासेंटल/इंट्रासीजेरियन/पोस्ट पार्टम (48 घंटे के भीतर)

प्रदाता – मेडिकल ऑफिसर/स्टाफ नर्स/एलएचवी/एएनएम

प्रदाता का नाम.....

हस्ताक्षर.....

पुनः जाँच दौरे	तिथि	पुनः जाँच का उद्देश्य		निष्कर्ष / दी गई सलाह
		नियमित	शिकायतें (अगर हो)	
पहली पुनः जाँच				
दूसरी पुनः जाँच				
तीसरी पुनः जाँच				
अतिरिक्त जाँच				

"स्वास्थ्य, सुरक्षा और आज़ादी; खुशियाँ लाऐ आईयूसीडी"

आईयूसीडी को सुरक्षित ढंग से लगाने का तरीका

भारत सरकार के मार्गदर्शन के अनुसार महिला की जाँच एवं सलाह–मश्वरा की जानी चाहिए।

पूरी विधि में ''नो टच'' तकनीक का प्रयोग करें एवं सावधानी से निम्न कार्यों को करें:

1. महिला की तैयारी
   - क. महिला को आईयूसीडी लगाने की विधि के बारे में संक्षिप्त जानकारी दें।
   - ख. लगाने से पहले महिला को पेशाब कर के आने को कहें।
   - ग. उसे याद दिलायें कि यदि दर्द हो तो वह आपको बतायें।
2. देख लें कि सारे औज़ार तैयार हैं (यह सुनिश्चित करें कि सारे औज़ार स्टेरेलाईज़्ड/डिसइन्फेक्टेड हैं)।
3. दोनो हाथों में नए साफ/एच एल डी (high level disinfected) दस्ताने पहनें।
4. एच एल डी (या स्टेरेलाइज़्ड) स्पेक्युलम को अन्दर डालें एवं सर्विक्स को देखें।
5. सर्विक्स एवं वेजाइना को उपयुक्त एन्टीसेप्टिक घोल (पोविडोन आयोडीन या क्लोरहेक्सीडीन) से साफ करें।
6. एच एल डी (या स्टेराईल) वालसेलम द्वारा आराम से सर्विक्स को पकड़ें एवं हल्का सा खिंचाव रखें।
7. एच एल डी (या स्टेराईल) यूटेराइन साउन्ड को ध्यानपूर्वक सर्विक्स के अन्दर ले जाएँ।
8. धीरे–धीरे साउन्ड को बच्चेदानी के अन्दर ले जाऐं एवं जैसे ही थोड़ा सा अवरोध महसूस हो, रूक जाएँ।
9. बच्चेदानी के झुकाव को ध्यान में रखें, धीरे–धीरे साउन्ड को निकालें एवं बच्चेदानी की लम्बाई पता करें।
10. लोड किए हुए आईयूसीडी को ध्यानपूर्वक अंदर डालें।
11. लोड किए हुए आईयूसीडी को बच्चेदानी के अन्दर धीरे–धीरे ले जाएँ एवं जब नीला गेज सर्विक्स के मुँह तक आ जाए या हल्का अवरोध महसूस हो, रूक जाएँ।
12. लगाने के बाद धागों को काट दें।
13. वाल्सेलम को सावधानी से निकाल लें और 0.5: क्लोरीन घोल में डीकन्टैमिनेशन के लिए डुबो दें।
14. जाँच लें कि योनि से खून तो नहीं आ रहा है।
15. स्पेक्यूलम को सावधानी से निकाल लें एवं 0.5: क्लोरीन घोल में डीकन्टैमिनेशन के लिए डुबो दें।
16. महिला को कुछ देर आराम करने दें
17. महिला को निम्न पर सलाह–मश्वरा दें:
    - क. फालो–अप (दोबारा जाँच से सम्बन्धित)
    - ख. साईड–इफेक्टस एवं जटिलताएँ

ध्यान दें: प्रसव के बाद आईयूसीडी लगाने का तरीका अलग है।

किसे आईयूसीडी नहीं लगानी चाहिए

- गर्भवती महिला।
- जिनको मवाद युक्त योनि–स्राव आता हो (जिन्हें क्लेमाइडिया व गोनोरिया का इन्फेक्शन हो)।
- जिन्हें पिछले तीन महिनों के दौरान एस.टी.आई. (यौन संचारित रोग) या पेडू का संक्रमण (पी आई डी) हुआ हो (आईयूसीडी को इलाज के बाद लगाया जा सकता है अगर दोबारा संक्रमण की संभावना न हो)।
- महिलाऐं जिनके जननांगों में किसी तरह का कैंसर हो।
- जिनके योनि से ऐसा रक्तस्राव होता हो जो कि न तो माहवारी है और न ही उसकी वजह पता हो।

यदि इनमें से कोई लक्षण हो तो तुरन्त अस्पताल आऐं :

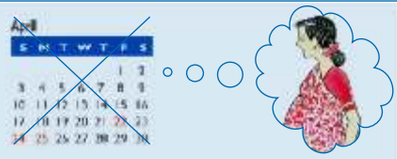

माहवारी देर से आना या न आना (हो सकता है आप पेट से हों)

अस्वाभाविक खून का बहना या दाग–धब्बे लगना

पेट में दर्द, संभोग के दौरान दर्द

असामान्य योनि स्राव (अत्यधिक, गंदा बदबूदार पानी आना)

स्वस्थ महसूस न करना बुखार, कंपकंपी

अगर धागे से परेशानी हो रही हो/आईयूसीडी का निचला सिरा महसूस हो रहा हो/चुभना/आईयूसीडी निकल गयी हो